आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :489 पृष्ठ -4 दिनांक 27 मई 2025 दिन मंगलवार

मुजफ्फरनगर जिले के नयी मंडी थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने कथित रूप से प्रवेश न मिलने पर अपनी ससुराल स्थित घर के सामने धरना शुरू कर दिया

ससुराल में नहीं मिली एंट्री को धरने पर बैठी दुल्हन, पुलिस बोली– आपस में सुलझाएं मामला

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के नयी मंडी थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने कथित रूप से प्रवेश न मिलने पर अपनी ससुराल स्थित घर के सामने धरना शुरू कर दिया है. पुलिस ने सोमवार को इसकी पुष्टि की. नयी मंडी थाना क्षेत्र के अवधविहार मोहल्ले में विवाहिता पूजा पाल ने रविवार को अपनी ससुराल में प्रवेश से मना करने पर धरना शुरू कर दिया है.महिला और ससुराल वालों के बीच हुआ विवाद– पु. लिसथाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) दिनेश चंद भगेल के मुताबिक पुलिस महिला और ससुराल वालों के बीच विवाद को सुलझाने का प्रयास कर रही है. विवा. हिता का कहना है कि उसकी शादी 20

जून 2020 को नितिन के साथ हुई थी और उसका तीन साल का बेटा है. लेकिन पारिवारिक विवाद के चलते ससुराल पक्ष ने विवाहिता को घर से बाहर निकाल दिया. पूजा ने यह आरोप लगाया है कि ससुराल वालों ने उसे जबरन घर से निकाल दिया है और उसके बेटे को भी छीन लिया है. विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग करने का भी आरोप लगाया है. बाद में उसने न्याय पाने के लिए ससुराल वालों के घर के बाहर धरना शुरू कर दिया है. इस बीच, एहतियात के तौर पर इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है.पुलिस ने मामला आपसी सुलह से निपटाने को कहाआपको बता दें कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर नई मंडी थाना पुलिस पहुंची और पूजा को समझाने का प्रयास किया. पुलिस ने सामाजिक लोगों को बुलाकर मामला आपसी सुलह से निपटाने की बात कही. देर रात तक मोहल्ले में स्थानीय लोगों की भीड़ जुटी रही. मोहल्ले के कई लोग पूजा के समर्थन में खुलकर सामने आए और उसे न्याय दिलाने की मांग की.

रालोद नेता के निधन पर सीएम योगी और सपा चीफ अखिलेश यादव ने जताया दुख

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय लोकदल के नेता जगपाल दास गुर्जर के निधन पर शोक प्रकट किया है. बता दें सोमवार को गुर्जर का निधन हो गया.गुर्जर के निधन पर सीएम योगी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा– राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता श्री जगपाल दास गुर्जर जी के निधन का समाचार अत्यंत शोकाकुल करने वाला है. उनके निधन से सार्वजनिक जीवन में एक अपूरणीय क्षति हुई है. मैं उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ. सीएम ने लिखा कि प्रभु श्री राम से प्रा. र्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक. संतप्त परिजनों व अनुयायियों को यह दुःख सहन करने की शक्ति दें. ॐ शांति!वहीं यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा कि राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता श्री जगपाल दास गुर्जर जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है. सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा. ईश्वर से प्रा. र्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परि. जनों व समर्थकों को इस दुरूखद घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करें. ॐ शांति!सपा चीफ ने शोक व्यक्त करते हुए लिखा पश्चिम उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ नेता श्री जगपाल दास गुर्जर जी का निधन, अत्यंत दुःखद ! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें. शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं. भावभीनी श्रद्धांजलि !सपा नेता और सांसद आनंद भदौरिया ने भी शोक प्रकट किया. उन्होंने लिखा कि हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजीवन प्रदेश अध्यक्ष रहे श्री राम शरण दास जी के सुपुत्र पश्चिम उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ नेता श्री जगपाल दास गुर्जर जी का निधन, अत्यंत दुःखद ! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें . शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूँ

जौनपुर 15 साल पुरानी रंजिश में पिता समेत 2 बेटों को उतारा मौत के घाट, हथौड़े से कूंचा सिर

जौनपुर में 15 साल पुरानी रंजिश को लेकर पिता और उसके दो बेटों की बेरहमी से हत्या कर दी गई. बदमाशों ने हथौड़े से कूंचकर सभी को मौत के घाट उतारा था.वारदात को अंजाम देने के बाद सीसीटीवी का डीवीआर भी उखाड़ ले गए. ये जघन्य हत्याकांड जफराबाद थाना क्षेत्र के नेवादा हाइवे के पास अंजाम दिया गया. जफराबाद थाना क्षेत्र के महम्मदपुर गांव निवासी 62 वर्षीय लालजी नेवादा हाइवे अंडरपास के पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग वर्कशॉप चलाते थे. दोनों बेटे यादवीर और गुड्डू भी दुकान में ही काम करते थे और यहीं सोते भी थे. सोमवार की सुबह आ. सपास के लोग वर्कशॉप की तरफ से गुजरे तो बाहर खून के निशान दिखाई दिए. भीतर जाकर देखा तो तीनों पिता–पुत्र के खून से सने शव वहां पड़े थे. लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी तो टीम मौके पर पहुंच गई. थोड़ी ही देर में एसपी डॉ. कौस्तुभ कई थानों की फोर्स के साथ वहां पहुंच गए. शव देखने पर पता चल रहा था कि तीनों को लोहे के किसी भारी हथियार से मारा गया था. सिर और चेहरे पर बुरी तरह से मारे जाने के निशान थे. ट्रिपल मर्डर के बाद बदमाश वहां लगे सीसीटीवी का डीवीआर भी उखाड़ ले गए. हत्या के बाद मौके पर जुटे परिवार के लोग पुरानी रंजिश में लाल जी और उनके बेटों की हत्या किए जाने का आरोप लगा रहे थे.पुलिस टीम ने लोगों से पूछताछ के बाद शव को वहां से पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. हत्या से नाराज परिजन और ग्रामीण ने हाइवे जाम करने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने किसी तरह सभी को वहां से हटा दिया. एसपी ने बताया कि बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए 8 टीमों का गठन किया गया है. जल्द ही मामले का खुलासा हो जाएगा.

यूपी में मायावती के लिए खुल सकती है नई राह! कांग्रेस नेता के बयान से सियासी हलचल तेज

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने यूपी में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है, जिसके बाद इंडिया गठबंधन को लेकर सवाल उठने लगे हैं. उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सपा से अलग होकर चुनाव लड़ेगी तो पार्टी ज्यादा बेहतर प्रदर्शन करेगी, इसके साथ ही उन्होंने 2027 में बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन करने की बात कही, जिसके बाद प्रदेश की सियासत में हलचल मच गई है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बसपा का गठबंधन हो इसके लिए बसपा को सोचना चाहिए. पिछले कुछ समय से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं के बीच जिस तरह की बयानबाजी देखने को मिली है उसके बाद सपा–कांग्रेस गठबंधन को लेकर अटकलें लगती रहती है. इमरान मसूद ने तो यहां तक कह दिया थी कि यूपी में कांग्रेस को किसी बैसाखी की जरूरत नहीं है और वो राहुल गांधी की वजह से चुनाव जीते हैं. वहीं अब उन्होंने बसपा के साथ गठबंधन की बात कहकर नई बहस छेड़ दी हैं सियासी जानकारों का मानना है कि इस सपा से कांग्रेस की दूरी का फायदा मायावती को हो सकता है. यूपी में छह लोकसभा सीटें जीतने के बाद कांग्रेस अब एक नई ताकत के साथ प्रदेश में पैर जमाने की कोशिश कर रही है. वहीं दूसरी तरफ अपने सबसे कमजोर दौर से गुजर रही बसपा भी पार्टी को फिर से जमीनी स्तर पर मजबूत करने में लगी हुई है. सपा से गठबंधन टूटने पर कांग्रेस बसपा का रुख कर सकती है लेकिन ये इतना भी आसान नहीं है. मायावती अक्सर सपा–कांग्रेस पर हमलावर रहती हैं. उनके बयानों में कांग्रेस पार्टी से नाराजगी भी साफ देखी जा सकती है. यही नहीं वो कई बार ये बात दोहरा चुकी हैं कि अब उनकी पार्टी किसी से गठबंधन नहीं करेगी.बसपा में अब आकाश आनंद की वापसी हो गई है. जिसके बाद आकाश को पार्टी संगठन को मजबूत करने और युवाओं को जोड़ने की जिम्मेदारी दी गई है. ऐसे में अगर कांग्रेस और बसपा को गठबंधन होता है तो दोनों दलों को इससे फायदा हो सकता है लेकिन, ये इतना भी आसान नहीं है. मायावती का मानना है कि उनकी पार्टी को गठबंधन से फायदा नहीं बल्कि नुकसान होता है.

वाराणसी में सड़कों पर बिखेर दी गयी लाखों की शराब,

वाराणसी में उस समय लोग हैरान रह गए जब सड़क पर शराब की हजारों बोतलें बिखरा दी गयीं. हैरानी उस समय और बढ़ गयी जब उन शराब की बोतलों पर रोड रोलर चला. दरसाल कोर्ट के आदेश पर जब्त अवैध शराब की बोतलों को नष्ट किया. ये 650 लीटर शराब थी, जिसकी वर्तमान कीमत लाखों में है. दरअसल वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर अलग–अलग दिनों में जप्त की गई अवैध शराब पर रोलर चलाकर उसे पूरी तरह नष्ट किया गया. प्राप्त जानकारी के अनुसार इसे नष्ट करने को लेकर न्यायालय से आदेश प्राप्त हुआ था. रोलर चलने के दौरान कैंट जीआरपी अन्य प्रशासन की भी मौजूदगी रही.नष्ट की गयी लाखों की शराबवाराणसी कैंट जीआरपी कुंवर प्रताप की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर अलग–अलग दिनों में जप्त की गई भारी मात्रा में अवैध शराब पर कार्रवाई की गई है. न्यायालय द्वारा इन सभी अवैध शराब को नष्ट करने का आदेश प्राप्त हुआ था. और माननीय न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए इन सभी को नष्ट किया गया. यह तकरीबन 650 लीटर से अधिक मात्रा में रही जिनकी कीमत आठ लाख रुपए से अधिक होने का अनुमान है. इन सभी शराब पर एक साथ रोलर चलाकर, इन्हें वाराणसी कैंट के निकट नष्ट किया गया.आगे भी अवैध शराब पर जारी रहेगी कार्यवाईकैंट जीआरपी की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार इस कार्रवाई के बाद भी आगे अवैध शराब को पकड़ने का अभियान लगातार जारी रहेगा. वहीं सड़क पर इस तरह शराब पर रोलर चलते देख राहगीर काफी देर तमाशबीन बने रहे . मुकदमे में मालखाने में जमा हो जाती हैयहां बता दें कि अवैध शराब पकड़े जाने के बाद पुलिस या आबकारी विभाग मुक. दमा चलने तक इन्हें स्टोर रखता है. जब कोर्ट से ऑर्डर होता है इसके बाद ही इन्हें नष्ट किया जाता है. तब अक इसे थाने के मालखाने में ही रखना होता है.

गाजियाबाद में वांटेड अपराधी कादिर को पकड़ने गई पुलिस . टीम पर हमला, गोली लगने से एक सिपाही की मौत

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में वांटेड आरोपी को गिरफ्तार करने गई नोएडा पुलिस की टीम पर हमला करने का मामला सामने आया है. हमले के दौरान भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया गया और गोली भी चली. जो एक पुलिस कांस्टेबल के सिर में जाकर लगी और वो घायल हो गया. जिसके बाद कांस्टेबल को तत्काल अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. वहीं पत्थरबाजी की वजह से दो–तीन पुलि. सवाले भी घायल हो गए.खबर के मुताबिक गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र में नाहल गांव में नोएडा फेज–2 थाना पुलिस एक वांटेड आरोपी कादिर को पकड़ने के लिए गई थी. जिसके बाद पुलिस ने उसे घर से ही गिरफ्तार कर लिया. लेकिन, तभी कादिर के साथ और उसके परिवार के लोग इकट्ठा हो गए और उन्होंने पुलिस की टीम पर पथराव शुरू कर दिया. इस बीच भीड़ में से फायरिंग भी की गई जो सिपाही सौरभ देशवाल के सिर में जाकर लगी, जिससे वो बुरी तरह घायल हो गए. पुलिस कांस्टेबल के सिर में लगी गोल. ाआनन–फानन में घायल सिपाही देशवाल को इलाज के लिए पास के यशोदा अस्पताल ले जाया गया लेकिन जब तक देर चुकी थी. डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इस पथराव में दो से तीन पु. लिसवालों को भी चोटें भी आईं हैं. हालांकि उनकी हालत खतरे से बाहर है. पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज कर ली है. मृतक सिपाही सौरभ देशवाल यूपी के शामली जिले के रहने वाले थे. घटना की खबर मिलते ही नोएडा पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह भी गाजियाबाद पहुंची और पूरे मामले की जानकारी ली. वहीं पुलिस की टीम ने भागने की कोशिश कर रहे आरोपी कादिर को भी घेरकर गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस इस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई में जुट गई है. पुलिस की टीम पर पथराव और गोली चलाने वाले आरोपियों की पहचान करन की कोशिश की जा रही है. जल्द ही इस मामले में अन्य गिरफ्तारियां भी हो सकती है.

गृह मंत्री अमित शाह से हरी झंडी का इंतजार! बिहार चुनाव में 29 सीटों पर ओपी राजभर ने कस ली कमर

सुहेलदेव समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बिहार चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है. उत्तर प्रदेश स्थित बस्ती में राजभर ने कहा कि उनकी पार्टी ने बिहार के 29 सीटों पर अपनी पूरी तैयार कर ली है. बीजेपी उन्हें जितनी सीटें चुनाव में लड़ने के लिए देगी वो उन सीटों पर अपना कैंडिडेट उतारेंगे. दावा किया कि बिहार के चुनाव में हमारी पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में आ रही है. इसके लिए खुद धरातल पर रणनीति बनाकर तैयारी पूरी कर ली है.राजभर ने कहा कि बिहार चुनाव को लेकर उनकी बात गृह मंत्री अमित शाह से हो चुकी है और सीटों पर निर्णय जल्द हो जाएगा. कहा कि कार्यकर्ता भी फौज की तरह होता है जिन्हें निर्देश मिलते ही चुनाव में जुट जाना चाहिए. राजभर ने कहा कि आगामी 10

जून को बहराइच में एक ऐसी रैली होने जा रही जो आज तक न हुआ है और न आगे होगा. मंत्री ने कहा 10 जून को राजा सुहेलदेव का विजय दिवस मनाया जाना है और इस आयोजन को यादगार बनाने के लिए बतौर मुख्य अतिथि सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी के अदभुत कार्यक्रम करने की पूरी कोशिश की जा रही है जिसके लिए मंडलीय स्तर पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठकों का दौर जारी है.जातीय जनगणना पर मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि जातीय जनगणना जरूर होगी, एक दिन में नहीं होगी मगर एक दिन जरूर होगी. पीएम मोदी ने फैसला लेकर देश के उन जाति के लोगों को उनका अधिकार देने की दिशा में कदम बढ़ाया है जिनके पास दो जून की रोटी तक का इंतजाम नहीं है. वे लोग सरकारी योजनाओं से वंचित है, ऐसे लोगों को चिन्हित करके उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने की पहल होगी.

राम मंदिर में निर्माण कार्य संपन्नता की ओर, शिव. लिंग की स्थापना 31 मई को, जून में प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या के श्रीरामजन्मभूमि मंदिर निर्माण कार्य में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है. मंदिर के प्रथम तल पर भगवान श्रीराम का भव्य राजप्रासाद पूरी तरह से तैयार हो गया है. सभी दरवाजे लगा दिए गए हैं और राम दरबार की स्थापना पहले ही हो चुकी है. अब मंदिर के पूरक छह मंदिरों और सप्तर्षियों को समर्पित सात मंदिरों में भी दरवाजे लगा दिए गए हैं. केवल शिव मंदिर में शिवलिंग की स्थापना बाकी है, जो 31 मई को की जाएगी. इसके बाद 3 से 5 जून के बीच मंदिर परिसर में देवी–देवताओं और राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा विधि संपन्न होगी.प्रथम तल पर भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान जी की प्रतिमाएं पहले ही स्थापित की जा चुकी हैं. ये सभी मूर्तियां जयपुर से मंगाई गई थीं और उन्हें ढाई फीट ऊंचे सिंहासनों पर सुशोभित किया गया है. पूरक मंदिरों की मूर्तियां पहले ही मंदिर परिसर में आ चुकी थीं.गर्भगृह के मुख्य कपाट को दस दिन पहले ही स्थापित कर दिया गया था, जिसके बाद से अन्य दरवाजों को लगाने का कार्य तेजी से शुरू हुआ. मंदिर निर्माण का जिम्मा संभाल रही कार्यदायी संस्था एलएंडटी के परियोजना निदेशक वीके मेहता ने बताया कि प्रथम तल पर कुल 15 दरवाजे लगाए गए हैं, जिनमें से अधिकांश का कार्य पूर्ण हो चुका है. भूतल पर 18 और द्वितीय तल पर 14 दरवाजे बनाए गए हैं, जिनमें द्वितीय तल पर अभी कुछ दरवाजे लगने बाकी हैं.प्रथम तल के दरवाजों पर सोने की परत नहीं चढ़ाई जाएगी. परियोजना निदेशक ने स्पष्ट किया कि इस तल के किसी भी कपाट पर सोने की मढ़ाई की योजना नहीं है.राम मंदिर का निर्माण कार्य 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भूमि पूजन के साथ शुरू हुआ था. इसके बाद से मंदिर का निर्माण युद्धस्तर पर जारी है. मंदिर निर्माण में प्राचीन वास्तुशास्त्र का पालन करते हुए आधुनिक तकनीक का भी प्रयोग हो रहा है. मंदिर के तीन तल होंगे, जिनमें अलग–अलग धार्मिक आयोजन और श्रद्धालुओं के दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है.राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक है. देश–विदेश से लाखों लोग इस मंदिर के दर्शन को आते हैं. जनवरी 2024 में रामलला की पहली मूर्ति की प्रतिष्ठा होने के बाद से अयोध्या में दर्शनार्थियों की संख्या में बड़ा उछाल देखा गया है.

हाथरस में रोजाना बदल रहा मौसम तापमान में आई गिरावट, तेज हवा के साथ आसमान में छाए बादल, कई इलाकों में बिजली गुल

हाथरस में मौसम ने पिछले कई दिन से मौसम का मिजाज रोजाना बदल रहा है। नौतपा के दूसरे दिन इस बार भीषण गर्मी नहीं पड़ी और तापमान में गिरावट देखने को मिली। अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह से ही मौसम सुहाना हो गया।कल की तुलना में तापमान में दो डिग्री की कमी आई है। कल अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस था। सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं और तेज हवाएं चल रही हैं। कुछ देर के लिए धूप में निकली लेकिन इसके बाद फिर आ. समान में बादल छा गए। परसों रात आई तेज आंधी और बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया है। तेज हवाओं के कारण शहर और देहात में बिजली की लाइनों में फाल्ट हुए हैं।बिजली गुल होने से लोगों ने झेली परेशानी..कई स्थानों पर बिजली गुल होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नौतपा में भीषण गर्मी पड़ने की आशंका थी, लेकिन इस बार मौसम ने अलग ही रंग दिखाया है। भीषण गर्मी पड़ने की अपेक्षाकृत लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

चंद्रशेखर आजाद का हाथरस में स्वागत बोले– राजनीति में भागीदारी जरूरी

आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद आगरा से अलीगढ़ की यात्रा के दौरान हाथरस पहुंचे। एमजी पॉलिटेक्निक के सामने कप्तान सिंह के निवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका जा. शीला स्वागत किया। अन्य कई स्थानों पर भी उनका जोशीला स्वागत किया गया।. चंद्रशेखर आजाद ने मीडिया कर्मियों से बा. तचीत में बताया कि पार्टी मंडल स्तर पर प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है।उन्होंने समाज की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि 2007 से 2012 तक समाज का राजकाज रहा। 2027 में इसे 15 साल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि राजकाज से दूर रहने वाले समाज को कई तरह की परेशानियों और शोषण का सामना करना पड़ता है। हमारा समाज को भी तरह–तरह की पाबन्दियां और शोषण का सामना करना पड़ रहा है। आजाद ने कहा कि पहले समाज के लोग भोले–भाले थे, जिनका शोषण किया जाता था।पार्टी लगातार कर रही संघर्ष... अब आजाद समाज पार्टी लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज राजनीतिक शक्ति प्राप्त करने के लिए आतुर है। यह ना. ैजवानों की भीड़ और इनका जुनून इस बात का उदाहरण है। अलीगढ़ की घटना को लेकर कहा कि वह अलीगढ़ में पीड़ित लोगों से मिलने जा रहे हैं। हाथरस में पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रकाश चंद्र गौतम और अन्य पार्टी पदाधिकारियों के नेतृत्व में उनका जोशीला स्वागत किया गया। इस दौरान कुछ लोगों ने अपनी समस्याएं भी रखीं, जिन पर सांसद ने कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सादाबाद से रूस–दुबई को आलू का निर्यात, पहली खेप रवाना किसानों को मिला 1100 रुपए प्रति पैकेट, मंडी से 300 रुपए ज्यादा

आज तड़के सादाबाद से दुबई और रूस के लिए कुफरी बहार 3797 किस्म के 10,000 पैकेट आलू का निर्यात किया गया है। किसानों को प्रति पैकेट (50 किलो) 1100 रुपए मिल रहे हैं। यह कोल्ड स्टोरेज में बिकने वाले आलू के मौजूदा दाम 700–800 रुपए से काफी अधिक है।कुफरी बहार, जिसे मंडी व्यापार में 3797 के नाम से जाना जाता है, मैदानी इलाकों की प्रमुख आलू किस्म है। यह 90 से 110 दिनों में तैयार होती है और प्रति हेक्टेयर 200–250 क्विंटल की पैदावार देती है। इसकी उच्च गुणवत्ता और लंबे समय तक भंडारण की क्षमता ने इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में लोकप्रिय बनाया है।किसानों ने इस बार मध्यस्थों को छोड़कर सीधे निर्यातकों से सौदा किया। इससे उन्हें न केवल लागत की भरपाई हुई, बल्कि अच्छा मुनाफा भी मिला। क्षेत्र में मौजूद सैकड़ों कोल्ड स्टोरेज आलू को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में मदद करते हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि किसान सीधे निर्यातकों से जुड़कर मंडियों की तुलना में बेहतर दाम पा सकते हैं। गुणवत्ता पर ध्यान देकर और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पहुंच बढ़ा सकते हैं। यह सफल निर्यात स्थानीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक चर्चा का विषय बन गया है।

भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सादाबाद में अंबेडकर पार्क का दौरा किया

भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सादाबाद में अंबेडकर पार्क का दौरा किया। उन्होंने बाबा साहेब अंबेडकर को माल्यार्पण किया और समर्थकों को संबोधित किया। चंद्रशेखर ने सिकंदराराऊ सत्संग हादसे का जिक्र करते हुए कहा कि यदि क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज होता तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने जनता से अपील की कि वे धार्मिक नारों से प्रभावित न होकर विकास के मुद्दों पर ध्यान दें।उन्होंने कहा कि वर्तमान में रोटी,

रोजगार, अस्पताल और शिक्षा जैसे मूलभूत मुद्दों की बजाय धार्मिक मुद्दों को प्राथमिकता दी जा रही है। महंगाई पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियों से आम जनता परेशान है। मंहगाई इतनी होगी कि सरकार जनता का खाल तक खींच लेगी।भीम आर्मी प्रमुख ने अपने समर्थकों से शिक्षित बनने और संगठित रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल नारेबाजी से समाज का भला नहीं होगा। बाबा साहेब के विचारों को समझने और शिक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आने वाले समय की चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षा और संगठन की ताकत जरूरी है।

हाथरस में अहिल्याबाई होल्कर जयंती पर निकली भव्य शोभायात्राकेंद्रीय मंत्री बघेल ने की शिरकत, प्रदर्शनी का भी हुआ आयोजन

हाथरस में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कस्बा सिकंद्राराऊ में रेलवे स्टेशन प्रांगण में विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर आज शाम को नगर में शोभायात्रा भी निकाली गई। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कार्यक्रम में शिरकत की।उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने अपने शासनकाल में देश के हजारों मंदि. रों का जीर्णोद्धार और नवनिर्माण कराया। बघेल ने समाज में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने समाज की एकता पर भी जोर दिया। शोभायात्रा में 10 से अधिक झांकियां शामिल थीं। युवा हाथों में पीले ध्वज लेकर चल रहे थे। डीजे की धुन पर युवाओं ने नृत्य किया।कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामवती बघेल, बनी सिंह बघेल, डॉ. ललित बघेल, मनोज बघेल, विजयपाल सिंह बघेल समेत काफी लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की आयोजकों ने केंद्रीय मंत्री का जोशीला स्वागत किया। उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट किया और फूलमालाओं से लाद दिया।जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी लगाई भाजपा जिला कार्यालय पर अहिल्याबाई होल्कर की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन

किया गया। प्रदर्शनी में उनके द्वारा किए गए सेवा कार्यों, सुशासन और धार्मिक योगदान को दर्शाया गया। सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि, सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर और भाजपा जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

हाथरस पुलिस ने खोए हुए मोबाइल फोन तलाशकर उनके मालिकों को वापस लौटाए

हाथरस पुलिस ने खोए हुए मोबाइल फोन तलाशकर उनके मालिकों को वापस लौटाए हैं। सर्विलांस सेल और विभिन्न थानों की पुलिस टीमों ने मिलकर यह कार. ्वाई की। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देश पर ब्म्प्ट पोर्टल और शिकायती पत्रों के आधार पर यह कार्रवाई की गई।टीम ने विभिन्न कंपनियों के कुल 60 मोबाइल फोन बरामद किए। इन फोन की कुल कीमत लगभग 12 लाख 50 हजार रुपये है। आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा और अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार ने सभी बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे।सर्विलांस टीम ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका... अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार के मार्गदर्शन में सर्विलांस सेल और थाना टीमों ने यह सफलता हासिल की। मोबाइल वापस पाकर मालिकों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने पुलिस अधीक्षक हाथरस और स्वाट्ध्सर्विलांस टीमों का धन्यवाद किया। इस अभियान में प्रभारी उपनिरीक्षक धीरज गौतम के नेतृत्व में ैळ्ध्सर्विलांस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा 3300 करोड़ की बहुआयामी योजनाओं का किया गया लोकार्पण एवं शिलान्यास

मुख्यमंत्री जी ने बेसिक शिक्षा विभाग की अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ एवं लोकार्पण किया

अलीगढ़ मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम मानते हुए बेसिक शिक्षा को भविष्य की ठोस बुनियाद बनाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को लोक भवन, लखनऊ में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने बेसिक शिक्षा विभाग की अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ एवं लोक. ार्पण किया।इस अवसर पर निपुण प्लस एप के माध्यम से शनिपुण प्लस स्पॉट अस. `समेंट योजनाश की शुरुआत की गई जो कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के मूल्यांकन की एक सशक्त पहल है इस योजना से विद्यार्थियों की विषयवस्तु की समझ का आकलन कर उनकी जरूरतों के अनुसार शैक्षणिक सहयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। यह पहल शिक्षा की गुणवत्ता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर, अलीगढ़ में जिले के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों व शिक्षकों की उपस्थिति में किया गया।मुख्यमंत्री जी ने शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों के लिए दो जोड़ी, यूनिफॉर्म, जूतेमोजे, स्कूल बैग, स्वेटर एवं स्टेशनरी के लिए अभिभावकों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रति छात्र 1200 रूपये की धनराशि स्थानांतरित की। इसके साथ ही प्रदेश भर में 3300 करोड़ की धन. राशि के विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्याय किया गया जिसमें स्थापित 43 मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय एवं 66 अभ्युदय विद्यालयों का शिलान्यास एवं उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में नवनिर्मित भवनों एवं छात्रावासों का लोकार्पण किया गया। शिक्षा के डिजिटलीकरण को गति देते हुए मुख्यमंत्री जी ने मुख्यमंत्री राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान में एजुकेशनल ब्रॉडका. स्टिंग स्टूडियो, 5258 विद्यालयों में आईस. ीटीसी लैब, 503 पीएम श्री विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी और 7409 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र में निपुण आकलन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 51667 शिक्षकों का सम्मान किया गया एवं उन्हें टैबलेट भी वितरित किए गए। साथ ही शैक्षिक पुस्तक श्श्सारथीश्श एवं श्श्अनुरूपणश्श का विमा. `चन किया गया। ओनजीसी को सीएसआर फंड से 150 करोड़ की धनराशि से 05 मॉडल कम्पोजिट विद्यालय के लिए सम्मा. नित किया गया।प्रदेश के मा0 गन्ना विकास एवं चीनी मिलें और जनपद प्रभारी मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतवर्ष दुनियां की सबसे प्राचीन शिक्षा की पाठशाला रही है। जब दुनियां को खानपान का भी ज्ञान नहीं थी तब हमारे देश में वेद और बाल्मीकि रामायण लिखी गई। पाटि. लिपुत्र विश्वविद्यालय में देश–विदेश के छात्र पढ़ने आते थे, तब भारत विश्वगुरू था। 1000 सालों के मध्य शिक्षा का पतन हुआ, हमारे विश्वविद्यालयों में आग लगाई गई और आक्रांताओं ने अपनी शिक्षा और भाषा को थोपने का प्रयास किया। आज प्रतिस्पर्धा का युग है और हमें शिक्षा को पुनः उसी सम्मान की ओर लेकर जाना है। अब अध्यापक समय से विद्यालय पहुॅच रहे हैं। परिषदीय विद्यालयों में छात्र संख्या बढ़ी है, डीबीटी के माध्यम से उन्हें छात्रवृत्ति एवं यूनिफार्म के लिए धनराशि प्राप्त हो रही है।मा0 प्रभारी मंत्री जी ने बताया कि अलीगढ़ में 30 करोड़ की धनराशि से अत. रौली के गनियावली में मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय, 1.40 करोड़ से बहराबद में मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालय बनाया जाएगा। जिले के 06 कस्तूराबा गॉधी विद्यालयों का उच्चीकरण हुआ है कायाकल्प में 98 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर जिले को प्रदेश में प्रथम स्थान वहीं निपुण भारत मिशन में पांचवा स्थान मिला है। जिले के 251 परिषदीय एवं 22 पीएम श्री विद्यालयों मार्ट क्लास का निर्माण कार्य कराया गया है। 13 करोड़ की धनराशि से जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में फर्नीचर उपलब्ध कराया जा रही है और नगर निगम के सहयोग से 03 करोड़ की धनराशि से एलमपुर में स्मार्ट स्कूल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा किए गए लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रमों से शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन आएगा और बेसिक शिक्षा की तसवीर बदलजाएगीकार्यक्रम में मा0 मुत्री जी द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग में समर कैंप के उत्कृष्ट संचालन के लिए 26 अनुदेशक एवं शिक्षामित्र, निपुण आकलन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 26 शिक्षकों, स्मार्ट क्लास के उत्कृष्ट संचालन के लिए 13 शिक्षकों एवं अलीगढ़ महत्सव में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 24 शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व मा0 प्रभारी मंत्री जी ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कस्तूरबा गॉधी बालिका विद्यालय धनीपुर की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मा0 सांसद श्री अनूप प्रधान, विधायक बरौली ठा0 जयवीर सिंह, मा0 विधायक कोल श्री अनिल पाराशर, मा0 विधायक छर्रा ठा0 रवेन्द्रपाल सिंह, मा0 विधायक इगलास श्री राजकुमार सहयोगी, मा0 एमएलसी डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो0 तारिक मंसूर, चौधरी ऋषिपाल सिंह, मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह, जिलाध्यक्ष श्री कृष्णपाल सिंह, महानगर अध्यक्ष इंजी0 राजीव शर्मा, जिला महामंत्री श्री शि. वनारायण शर्मा, जिलाधिकारी संजीव रंजन, एसएसपी संजीव सुमन, नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा, सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, एडीएम वित्त प्रमोद कुमार, बीएसए राकेश कुमार सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं शिक्षक–शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

मा0 प्रभारी मंत्री ने आपदा राहत के तहत तीन परिवारों को प्रदान किए 08 लाख 05 हजार की धनराशि के चौक

अलीगढ़ रू उत्तर प्रदेश सरकार के मा0 गन्ना विकास एवं चीनी मिलें और जनपद प्रभारी मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने सोमवार को कल्याण सिंह हैबीटेट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में जिले में दैवीय आपदा जैसे कि आंधी, तूफान, वर्षा एवं ओलावृष्टि से प्रभावित परिवारों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया और आर्थिक सहायता स्वरूप मुआवजा राशि के चेक वितरित किए। मा0 मंत्री जी द्वारा आपदा से प्रभावित दो परिवारों को चारचार लाख रुपये तथा एक परिवार को पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता के चेक प्रदान किए गए। यह सहायता राज्य सरकार की आपदा राहत नीति के अंतर्गत अनुमन्य धन. राशि के अनुसार दी गई है।इस अवसर पर मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार हर संकट की घड़ी में आमजन के साथ खड़ी है। सरकार की मंशा है कि किसी भी आपदा के समय पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचे, जिससे उन्हें अपने जीवन को पुनः व्यवस्थित करने में सहायता मिल सके। उन्होंने एडीए वित्त एवं प्रभारी अधिकारी आपदा प्रमोद कुमार को निर्देशित किया कि शेष प्रभावितों को भी शीघ्र सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की शि. थलता न बरती जाए।कार्यक्रम में मा0 मंत्री जी द्वारा आपदा राहत के तहत श्रीमती राकेश शर्मा पत्नी रमेश चन्द्र, बावरी मण्डी कोल एवं श्रीमती रिंकी पत्नी सत्यपाल गहतोली गंग हारूनपुर कलां अतरौली को 0404 लाख रूपये एवं श्रीमती ममता देवी पत्नी राहुल मादक टप्पल खैर को 05 हजार रूपये के चौक प्रदान किए गए।

अलीगढ़ में बेहतर कानून व्यवस्था और अपराध मुक्त माहौल बनाए रखने के लिए थाना प्रभारियों और सब इंस्पेक्टरों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया

अलीगढ़ में बेहतर कानून व्यवस्था और अपराध मुक्त माहौल बनाए रखने के लिए थाना प्रभारियों और सब इंस्पेक्टरों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। एसएसपी संजीव सुमन ने फेरबदल करते हुए सभी को तत्काल चार्ज लेने के निर्देश जारी किए हैं। अतरौली थाना प्रभारी इंस. पेक्टर विजयकांत के गाजियाबाद ट्रांसफर के बाद कई थानों में फेरबदल किया गया है।महुआखेड़ा थाना प्रभारी सत्यवीर सिंह को अतरौली थाना प्रभारी बनाया गया है। अतरौली में तैनात इंस्पेक्टर क्राइम जोगेंद्र सिंह को महुआखेड़ा थाना प्रभारी बनाया गया है। थाना एएचटीयू में तैनात इंस्पेक्टर उदयभान सिंह को पिसावा थाना प्रभारी बनाया गया है। क्राइम ब्रांच में तैनात इंस. पेक्टर सरिता द्विवेदी को गोधा थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं पिसावा थानाध्यक्ष एसआई रंजीत कुमार को एसओ गोरई बनाया गया है।इन सब इंस्पेक्टरों के भी बदले थानेथाना प्रभारियों के साथ ही 9 सब इंस्पेक्टरों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया गया है। इसमें लाइन हाजिर चल रहे एसआई नारायण दत्त तिवारी को चौकी प्रभारी सासनीगेट बनाया गया है। एसआई अमित कुमार को थाना अकराबाद से चौकी प्रभारी पनेठी बनाया गया है।लाइन हाजिर चल रहे एसआई मनिंद्र सिंह को चौकी प्रभारी खेरेश्वर, बद्रीराम को चौकी प्रभारी बहादुरपुर, प्रमोद वशिष्ठ को थाना गंगीरी से चौकी प्रभारी रायपुर थाना अतरौली, अरुण कुमार को चौकी प्रभारी गोंडा, योगेंद्र कुमार को पुलिस लाइन से चासैकी प्रभारी नगला पटवारी, एसआई उपेंद्र कुमार को विशेष जांच प्रकोष्ठ से एंटी थैफ्ट टीम और बतन सिंह को पुलिस लाइन से विशेष जांच प्रकोष्ठ में भेजा गया है।जनसुनवाई की शिकायतें तत्काल हो दूरएसएसपी से सभी पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए हैं कि थाने में आने वाली शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया जाए। आमजनों के काम में बिल्कुल भी लापरवाही न की जाए। अगर आमजनों के काम में किसी तरह की लापरवाही मिली और शिकायत आई तो संबंधित पुलिस कर्मी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

जल्द होगा नगर निगम कर्मचारी कल्याण संघ का चुनाव– वर्तमान अध्यक्ष महामंत्री ने नगर आयुक्त को चुनाव कराने के लिए सौपा ज्ञापननगर निगम कर्मचारी कल्याण संघ के अध्यक्ष संजय सक्सेना और महामंत्री मानवेंद्र सिंह बघेल नेसा. `मवार को नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के समक्ष नगर निगम कर्मचारी कल्याण संघ का 2 वर्षीय चुनाव जल्द कराए जाने का अनुरोध किया। वर्तमान अध्यक्ष और महामंत्री ने नगर आयुक्त को चुनाव की तिथि जल्द घोषित करने संबंधी ज्ञापन भी सौपा।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने वर्तमान अध्यक्ष और महामंत्री को कर्मचारियों के हितों में कार्य करने की अपील करते हुए आगामी बकरीद के उपरांत निर्वाचन तिथि घोषित करने का आश्वासन दिया।

पेयजल किल्लत वाले क्षेत्र में जल्द खुदेगें एक्स्ट्रा बोरवेल–पम्प सेट किये जायेंगे अपग्रेड–पेयजल टैंकर व पेयजलापूर्ति के संसाधनों का होगा भौतिक सत्यापन

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणापेयजल की किल्लत वाले क्षेत्र में जल्द पेयजलापूर्ति बनेगी प्रभावी–नगर आयुक्त ने 90 पार्षद वार्ड वाइज पेयजलापूर्ति का तलब किया ब्यौराबढ़ती गर्मी में शहर के कई क्षेत्रों में पेयजलापूर्ति की किल्लत को दूर करने के लिए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने जलकल विभाग के साथ समीक्षा करते हुए अधिनस्थों से नगर निगम के सभी 90 पार्षद वार्ड की आबादी, वार्ड में पेयजल की खपत, की जा रही पेयजलापूर्ति और अतिरिक्त पेयजलापूर्ति की आवश्यकता का पूरा ब्यौरा तलब किया है। नगर आयुक्त ने पेयजल की किल्लत वाले क्षेत्रों में अति. रिक्त बोरवेल खुदवाए जाने के लिए सर्वे करने के निर्देश दिए है।सोमवार को कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में पेयजल की किल्लत वाले मोहल्लों में पेयजलापूर्ति को कैसे प्रभावी बनाया जाए इसको लेकर नगर आयुक्त ने जलकल विभाग के प्रभारी महाप्रबंधक जल, सहायक अभियंता व अवर अभियंता के साथ समीक्षा की।नगर आयुक्त ने अलीगढ़ में गिरते जमीनी जलस्तर पर चिंता जाहिर करते हुए अधिनस्थों को निर्देश दिए कि अलीगढ़ में अब ग्राउंडवाटर धीरे–धीरे नीचे जा रहा है अलीगढ़ नगर निगम को आने वाले भविष्य को ध्यान में रखते हुए ऊपरी तह के पानी (सरफेस वाटर) पर काम करने की जरूरत हैनगर आयुक्त ने जल जीवन मिशन शहरी योजना के तहत बुलंदशहर से आ रही जवां नहर के पानी को शहर वासियों के लिए सरफेस वाटर के रूप में नगर निगम सीमा में लाने के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश प्रभारी महाप्रबंधक जल सुरेश चंद को दिए। नगर आयुक्त ने पेयजल की किल्लत वाले क्षेत्रों में प्राथमिकता पर अति. रिक्त बोरवेल लगाए जाने के लिए तत्काल सर्वे करने, सभी ट्यूबवेल के पंप को अपग्रेड करने और जलकल विभाग की सभी वाहनों, पेयजल टैंकर, मशीनरी का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिएनगर आयुक्त ने 6 दिनों से सासनी गेट ट्यूबवेल की मोटर फूंकने के कारण आपूर्ति न होने, गोपालपुरी में पानी नही पहुँचने, पाइप लाइन फटने से जीटी रोड पर जल भराव होने, वार्ड 9 गोपी मिल कंपाउंड में 150 घरों में पानी नही पहुँचने, वार्ड 9 नौरंगाबाद में जल संकट, वार्ड 36 में पाइप लाइन बिछाने के बावजूद पानी की सप्लाई न होने व मोहल्ले में 70 हैंडपंप के खराब होने, वार्ड 64 फिरदोस नगर में पानी की किल्लत, वार्ड 35 महफूज नगर के नमन कॉलोनी संकल्प विहार वसुंधरा कॉलोनी अयोध्यापुरी ढोलक बस्ती सरदार बस्ती जाटव बस्ती यादव बस्ती मेघ विहार कॉलोनी जामिया मस्जिद जुबैदा मस्जिद एक नंबर से चार नंबर वाली गली में पेयजलापूर्ति न होने, वार्ड 3 पला रोड कबीर नगर में संत शरण माहौर वाली गली में पेयजल संकट व वार्ड 15 के नगला मसानी पशु अस्पताल निरंजनपुरी गौशाला गूलर रोड गली नंबर–1 में पानी की किल्लत जैसी कई महत्वपूर्ण समस्याओं पर भी समीक्षा की बैठक में नागरिकों की पेयजल समस्याओं पर तत्काल एक्शन लेने के लिए नगर निगम इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर में संचालित कॉल सेंटर नंबर 1533 की निगरानी करने के निर्देश दिए।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा बढ़ती हुई गर्मी और गिरते हुए ग्राउंडवाटर में पेयजलापूर्ति को प्रभावी बनाए जाना एक चौलेंज है और इस चौलेंज को पूरी शिद्दत के साथ नगर निगम शहर वासियों के सहयोग से हासिल करेगा। नगर निगम सीमा में गिरता हुआ भूमिगत जलस्तर एक चिंता का विषय है जवां नहर से सरफेस वाटर को अलीगढ़ में लाने के लिए कवायद को शुरू किया जा रहा है।

जल्द पेयजलापूर्ति में दिखेगा सुधार–ऊपरी तह के पानी को अलीगढ़ में लाने के लिए नगर आयुक्त ने शुरू की कवायद

पेयजल किल्लत वाले क्षेत्र में जल्द खुदेगें एक्स्ट्रा बोरवेल–पम्प सेट किये जायेंगे अपग्रेड–पेयजल टैंकर व पेयजलापूर्ति के संसाधनों का होगा भौतिक सत्यापनरू–नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणापेयजल की किल्लत वाले क्षेत्र में जल्द पेयजलापूर्ति बनेगी प्रभावी–नगर आयुक्त ने 90 पार्षद वार्ड वाइज पेयजलापूर्ति का तलब किया ब्यौराबढ़ती गर्मी में शहर के कई क्षेत्रों में पेयजलापूर्ति की किल्लत को दूर करने के लिए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने जलकल विभाग के साथ समीक्षा करते हुए अधिनस्थों से नगर निगम के सभी 90 पार्षद वार्ड की आबादी, वार्ड में पेयजल की खपत, की जा रही पेयजलापूर्ति और अतिरिक्त पेयजलापूर्ति की आवश्यकता का पूरा ब्यौरा तलब किया है। नगर आयुक्त ने पेयजल की किल्लत वाले क्षेत्रों में अति. रिक्त बोरवेल खुदवाए जाने के लिए सर्वे करने के निर्देश दिए है।सोमवार को कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में पेयजल की किल्लत वाले मोहल्लों में पेयजलापूर्ति को कैसे प्रभावी बनाया जाए इसको लेकर नगर आयुक्त ने जलकल विभाग के प्रभारी महाप्रबंधक जल, सहायक अभियंता व अवर अभियंता के साथ समीक्षा की।नगर आयुक्त ने अलीगढ़ में गिरते जमीनी जलस्तर पर चिंता जाहिर करते हुए अधिनस्थों को निद. ेश दिए कि अलीगढ़ में अब ग्राउंडवाटर धीरे–धीरे नीचे जा रहा है अलीगढ़ नगर निगम को आने वाले भविष्य को ध्यान में रखते हुए ऊपरी तह के पानी (सरफेस वाटर) पर काम करने की जरूरत हैनगर आयुक्त ने जल जीवन मिशन शहरी योजना के तहत बुलंदशहर से आ रही जवां नहर के पानी को शहर वासियों के लिए सरफेस वाटर के रूप में नगर निगम सीमा में लाने के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश प्रभारी महाप्रबंधक जल सुरेश चंद को दिए। नगर आयुक्त ने पेयजल की किल्लत वाले क्षेत्रों में प्राथमिकता पर अति. रिक्त बोरवेल लगाए जाने के लिए तत्काल सर्वे करने, सभी ट्यूबवेल के पंप को अपग्रेड करने और जलकल विभाग की सभी वाहनों, पेयजल टैंकर, मशीनरी का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिएनगर आयुक्त ने 6 दिनों से सासनी गेट ट्यूबवेल की मोटर फूंकने के कारण आपूर्ति न होने, गोपालपुरी में पानी नही पहुँचने, पाइप लाइन फटने से जीटी रोड पर जल भराव होने, वार्ड 9 गोपी मिल कंपाउंड में 150 घरों में पानी नही पहुँचने, वार्ड 9 नौरंगाबाद में जल संकट, वार्ड 36 में पाइप लाइन बिछाने के बावजूद पानी की सप्लाई न होने व मोहल्ले में 70 हैंडपंप के खराब होने, वार्ड 64 फिरदोस नगर में पानी की किल्लत, वार्ड 35 महफूज नगर के नमन कॉलोनी संकल्प विहार वसुंधरा कॉलोनी अयोध्यापुरी ढोलक बस्ती सरदार बस्ती जाटव बस्ती यादव बस्ती मेघ विहार कॉलोनी जामिया मस्जिद जुबैदा मस्जिद एक नंबर से चार नंबर वाली गली में पेयजलापूर्ति न होने, वार्ड 3 पला रोड कबीर नगर में संत शरण माहौर वाली गली में पेयजल संकट व वार्ड 15 के नगला मसानी पशु अस्पताल निरंजनपुरी गौशाला गूलर रोड गली नंबर–1 में पानी की किल्लत जैसी कई महत्वपूर्ण समस्याओं पर भी समीक्षा की बैठक में नागरिकों की पेयजल समस्याओं पर तत्काल एक्शन लेने के लिए नगर निगम इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर में संचालित कॉल सेंटर नंबर 1533 की निगरानी करने के निर्देश दिए।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा बढ़ती हुई गर्मी और गिरते हुए ग्राउंडवाटर में पेयजलापूर्ति को प्रभावी बनाए जाना एक चौलेंज है और इस चौलेंज को पूरी शिद्दत के साथ नगर निगम शहर वासियों के सहयोग से हासिल करेगा। नगर निगम सीमा में गिरता हुआ भूमिगत जलस्तर एक चिंता का विषय है जवां नहर से सरफेस वाटर को अलीगढ़ में लाने के लिए कवायद को शुरू किया जा रहा है।

न्यायपालिका से सवाल, लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद की परंपरा का परिचय और प्रमाण

पिछले दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उच्चतम न्यायालय से 14 सवाल पूछे। ये सवाल राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 143 (1) के तहत किए गए हैं। मूलतरू ये प्रश्न न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपा. लिका की संवैधानिक शक्तियों और कार्यक्षेत्र से भी संबंधित हैं। राष्ट्रपति ने कानून निर्माण के संबंध में राज्यपाल और राष्ट्रपति को संविधानप्रदत्त शक्तियों को न्यायिक आदेश द्वारा सीमितधनियंत्रित किए जाने पर प्रश्न चिह्न लगाया है। ये प्रश्न भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में अंतर्निहित संवाद की स्वस्थ परंपरा का परिचय और प्रमाण हैं।दरअसल हाल में उच्चतम न्यायालय ने राज्यपाल बनाम तमिलनाडु राज्य नामक वाद का निर्णय दिया था। यह मामला तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों से संबंधित था। राज्य सरकार का कहना था कि विधानसभा द्वारा पारित कई विधेयक लंबे समय से राज्यपाल द्वारा लंबित रखे गए हैं। साथ ही राज्य सरकार ने राज्यपाल द्वारा एक साथ कई विधेयकों को राष्ट्रपति को विचारार्थ भेजने पर भी प्रश्न उठाया था। निश्चय ही, राज्यपाल द्वारा अनिश्चित अवधि तक विधेयकों को लंबित रखना भी संविधानसम्मत नहीं है।उच्चतम न्यायालय ने उपरोक्त मामले में कुछ संवैधानिक पहलुओं को नए सिरे से प्रस्तुत किया है। पहला, राज्यपाल एवं राष्ट्रपति द्वारा विधेयकों को स्वीकृति प्रदान करने के लिए समयसीमा का निश्चित किया जाना है। यह समय सीमा तीन माह तय की गई है। दूसरा, अगर समयसीमा के भीतर राज्यपाल या राष्ट्रपति द्वारा विधेयक पर प्रतिक्रिया नहीं दी जाती है तो राज्य के अनुरोध पर उच्चतम न्यायालय 'परमादेश रिट' के तहत विधेयक को स्वीकृति प्रदान करने की क्षमता रखता है।तीसरा, उच्चतम न्यायालय ने स्वयं को संविधान के अनुच्छेद 142 द्वारा प्रदत्त शक्ति का उपयोग करते हुए 10 लंबित विधेयकों को कानून का दर्जा दे दिया है। इस तरह यह पहला अवसर है जब बिना राष्ट्रपति या राज्यपाल की स्वीकृति के विधेयक कानून बन गए हैं। यह न्यायपालिका द्वारा अपनी संवैधानिक शक्तियों और मर्यादा का अतिक्रमण है।इस निर्णय की पृष्ठभूमि में संवैधानिक वस्तुस्थिति को समझना आवश्यक है। सर्वप्रथम अनुच्छेद 200 की बात आती है। इसके तहत राज्यपाल या तो विधेयक को स्वीकृति देता है या उसे रोक लेता है या वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए प्रेषित कर देता है। राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित विधेयक के लिए एक कसौटी का उल्लेख है।

वह यह है कि 'राज्यपाल की राय में' यदि वह (विधेयक) कानून बन जाए तो उच्च न्यायालय की शक्तियों को इस प्रकार अल्पीकृत करेगा कि वह व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी, जिसे भरने के लिए संविधान द्वारा उसका निर्माण किया गया है। 'राज्यपाल की राय में' के दो अर्थ हो सकते हैं। पहला यह कि राज्यपाल मंत्रिपरिषद के सहयोग एवं सुझाव से ऐसा करेगा। अब सवाल यह उठता है कि मंत्रिपरिषद जो विधानमंडल का हिस्सा है और विधेयक बनाने में शामिल है, आखिर क्यों पहले अपने क्षेत्राधिकार से बाहर विधेयक पारित करेगी और फिर राज्यपाल को परामर्श देकर उसे राष्ट्रपति को भिजवाएगीदूसरा यह कि राज्यपाल अपने 'विवेकाधिकार' का प्रयोग करते हुए ऐसा करेगा। अनुच्छेद 201 दूसरा अनुच्छेद है, जो इस बहस में आया है। इसमें राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित विधेयक से संबंधित चर्चा है। इसके तहत राष्ट्रपति या तो विधेयक पर स्वीकृति देता है या उसे रोक देता है। साथ ही वह अपने सुझावों और निर्देश के साथ विधेयक को राज्यपाल के माध्यम से वापस विधानमंडल को भेज सकता है। तत्पश्चात वह पुनरू विधानमंडल से पारित कराकर राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। इसके आगे राष्ट्रपति उस विधेयक पर क्या फैसला लेते हैं? इस पर संविधान में स्पष्टता नहीं है।सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार राज्यपाल अब पहली प्रस्तुति में तीन महीने एवं दूसरी प्रस्तुति में अधिकतम एक महीने तक ही विधेयक को अपने पास रख सकते हैं। विधेयक निर्माण प्रक्रिया में राज्यपाल के 'विवेकाधिकार' को उच्चतम न्यायालय ने अब न्यायिक समीक्षा के अंतर्गत बताया है। यह पहले से चली आ रही प्रणाली में बहुत बड़ा बदलाव है, जिसमें राज्यपाल के विवेकाधिकार को सीमित किया गया है।इसके आगे कोर्ट ने अनुच्छेद 200 एवं 201 के तहत राष्ट्रपति के विचारार्थ प्रेषित विधेयकों को संवैधानिक एवं वैधानिक त्रुटियों से बचाने के लिए राष्ट्रपति को अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से सुझाव लेने के लिए भी निर्देशित किया है। राष्ट्रपति को दिए गए निर्देश के मद्देनजर ऐसा प्रतीत होता है कि विधेयक के कानून बनने के पूर्व ही न्यायपा. लिका का हस्तक्षेप हो रहा है। किसी भी विधेयक को प्रस्तुत करने एवं उस पर बहस करने का कार्य जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों का ही होता है। विधायिका के इस कार्य में हस्तक्षेप संविधान के बुनियादी ढांचे को चुनौती देता है।भारत संघीय व्यवस्था के बावजूद केंद्रीय प्रवृत्ति वाला राष्ट्र है। यह व्यवस्था अलगाव और अरा. जकता को नियंत्रित करते हुए देश की एकता–अखंडता सुनिश्चित करती है। उपरोक्त निर्णय की पृष्ठभूमि में राष्ट्रपति द्वारा पूछे गए प्रश्नों के आलोक में न्यायपा. लिका के उत्तर से न सिर्फ केंद्र–राज्य के संबंधों के समीकरण प्रभावित होगा, बल्कि न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के संबंध और कार्यक्षेत्र भी पुनर्परिभाषित होंगे।

. उद्देश्य से भटकी भारत की राजनीति, समाज को जागरूक–सचेत करने का काम भुला दिया जाना चिंताजनक

राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के इस संवेदनशील समय में भी दलतंत्र के बीच राष्ट्रीय प्रश्नों पर एकता नहीं है। आरोप–प्रत्यारोप जारी हैं। राजनीति के माध्यम से समाज को जगाकर राष्ट्र भाव भरने का काम प्रायः बंद है। राजनीति का उद्देश्य वोट बैंक जुटाना ही दिखाई पड़ रहा है। अजीब स्थिति है। आमजनों में राष्ट्रभक्ति का ज्वार है, लेकिन दलतंत्र में राष्ट्रीय महत्व के प्रश्नों पर भी सहमति नहीं है। यह तब है जब भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की असलियत बताने के लिए दुनिया के प्रमुख देश जा रहे हैं।इस पर भी प्रश्न उठ रहे हैं। इससे वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य नि. राशा पैदा करने का काम कर रहा है। याद रहे कि राजनीति ही सारी समस्याओं का समाधान नहीं होती। समय–समय पर सामाजिक पुनर्जागरण भी अनिवार्य होते हैं। सचेत राष्ट्रभक्त शाश्वत मूल्यों और आदर्शों के लिए जागरूकता पैदा करते रहे हैं। भारत की संस्कृति और राष्ट्रभाव का विकास इसी निरंतरता में हुआ है।वस्तुतः कोई भी समाज व्यवस्था स्वयं पूर्ण नहीं होती और न ही राजनीति। संस्कृति राष्ट्रभाव का संवर्धन करती है और संविधान राजव्यवस्था का मार्गदर्शी होता है। विश्व के सभी समाजों में अंतर्विरोध रहे हैं और आज भी हैं। यूरोपीय समाज में एक समय घोर अंधकार था। अंधविश्वास जोर पर था। सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने 13वीं सदी से पुनर्जागरण का काम लंबे समय तक जारी रखा। पुनर्जागरण से यूरोपीय समाज और दृष्टिकोण में आधारभूत परिवर्तन आए थे।भारत का स्वाधीनता संग्राम अपने ढंग का दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय आंदोलन था। यह संघर्ष लंबा चला था। सत्ता परिवर्तन ही इस आंदोलन का लक्ष्य नहीं था। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान लाखों लोगों का उत्पीड़न हुआ था। लेखक–विचारक और सामाजिक कार्यकर्ता उत्पीड़ित किए गए। तब सत्ता प्राप्ति की प्रबल आशा नहीं थी, लेकिन आंदोलन राष्ट्रीय स्वाभिमान, स्वदेशी और स्वराष्ट्र भाव से जुड़ा था। गांधी जी ने कहा था, 'हम ब्रिटिश सत्ता को हटाने के लिए ही आंदोलन नहीं कर रहे हैं। हम अंग्रेजी उपकरणों से देश नहीं चला सकते. इससे तो अंग्रेजी सत्ता ही भली है।' रा. जनीतिक सत्ता की शक्ति बेशक बड़ी होती है, लेकिन सत्ता के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का काम संभव नहीं है। राजनी. तिक शक्ति की सीमा है और लोक शक्ति असीम है। गांधी जी ने कहा था, 'सत्ता परिवर्तन ही हमारा उद्देश्य नहीं है। हम राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों में परिवर्तन चाहते हैं।डा. आंबेडकर सत्ता सहित सभी लो. कतांत्रिक उपायों से सामाजिक परिवर्तन चाहते थे। डा. राममनोहर लोहिया ने बड़ी बात कही थी, 'वे लोग मूर्ख हैं जो अंग्रेजी के वर्चस्व, जाति तोड़ो आदि विषयों पर विधायिका (सत्ता भी) से कोई उम्मीद करते हैं। ऐसे काम हमेशा जनता ही कर सकती है।' दीनदयाल उपाध्याय ने दो तरह के दल बताए थे, 'एक परिवर्तन का इच्छुक और दूसरा यथास्थिति का पक्षधर। लोकमत के परिष्कार से ही राष्ट्र जीवन के लक्ष्य संभव हो सकते हैं।'स्वाधीनता संग्राम के लक्ष्य व्यापक थे। इससे एक नई राजनी. तिक संस्कृति का विकास हुआ था। त्याग और स्वदेशी आधारित इस आंदोलन ने समाज का आंतरिक रसायन बदल दिया था। स्वतंत्रता के बाद सभी संकीर्णताओं के विरुद्ध अभियान चलाने की आवश्यकता थी। स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों की प्रतिष्ठा संविधान के अनुच्छेद 51 (क) में पठनीय हैं। इस सूची में संविधान का पालन, उसकी संस्थाओं, राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्रगान का आदर भी नागरिक कर्तव्य हैं। राष्ट्रीय अखंडता, संप्रभुता और एकता, भ. `दभावरहित भाईचारा और समरसता महत्वपूर्ण संवैधानिक कर्तव्य हैं। देश की आवश्यकतानुसार विधि बनाना संसद का काम है, लेकिन नए कानून के बनाए जाने की आवश्यकता का मूल स्रोत समाज है। सामाजिक जागरण से नई विधि की मांग पैदा होती है। समाज जागरूक न हो तो नई विधि व्यवस्था की मांग नहीं उठती। जन जागरण समय का आह्वान है।देश में संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान घटा है। दुख की बात है कि कभी–कभी संवैधानिक संस्थाएं भी अपनी–अपनी अस्मिता के लिए झगड़ती दिखती हैं। राजनीति अपनी संस्कृति से दूर होती है, तो ऐसा ही होता है। दलतंत्र को संयम और अनुशासन में रखने का काम सामाजिक नवजागरण से ही संभव है। आपातकाल के दौरान चले आंदोलन ने संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को बहाल किया।अपने विचार के पक्ष में समर्थन जुटाना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन वोट के लिए किसी भी सीमा तक जाना चिंताजनक है। राष्ट्रजीवन के आदर्शों एवं निहित स्वार्थी मूल्यों में टकराव स्वाभाविक है। सजग राष्ट्रभक्त इतिहास से सीख लेते हैं। राष्ट्रहित में समाज को जागरूक करते हैं। जो समाज ऐसा नहीं करते, वे जड़ हो जाते हैं और जो ऐसा करते हैं वे इतिहास के मार्गनिर्माता कहे जाते हैं।राष्ट्रजीवन के अनेक मुद्दे जनअभियान से ही हल किए जा सकते हैं। दलतंत्र से ऐसी समस्याओं के समाधान की अपेक्षा नहीं की जा सकती। सभी दलों को मिलकर जातिवाद, संप्रदायवाद आदि के विरुद्ध अभियान चलाने की आवश्यकता है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। जिन समस्याओं का समाधान राजनीति नहीं कर सकती, उनका सजग और एकजुट समाज कर सकता है। बशर्ते राजनीतिक दल समाज को सजग करें। समाज को जागरूक करने और उसमें उसके कर्तव्य के निर्वहन का भाव जगाने का अभियान चलाकर हर तरह की समस्याओं का आसानी से समाधान संभव है, मगर आज की राजनीति सामाजिक जागरूकता लाने का कोई ठोस जतन नहीं करती।राजनीतिक क्षेत्र में मूल्यों का अवमूल्यन हुआ है, लोकहित की तुलना में निजी एवं दलहित सर्वोपरि हो गया है। केवल वोट हितैषी राजनीति से सामाजिक परिवर्तन का काम सही तरह संभव नहीं है। सामाजिक जागरण का काम सतत प्रवाही होना चाहिए और यह काम राजनी. तिक दलों को करना चाहिए। यदि जन जागरण का काम रुकता है तो दुर्गति शुरू हो जाती है। और लोकतंत्र की

ईडी की विश्वसनीयता

यह कोई नई बात नहीं है कि देश की जांच एजेंसियों पर सरकार की आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करने को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तरफ से पक्षपात के आरोप लगे हों। सरकारी जांच एजेंसियों को वे विपक्ष के नेताओं को डराने–धमकाने का हथियार बताते रहे हैं। अब इन्हीं चिंताओं और सवालों पर देश की शीर्ष अदालत ने भी मोहर लगाई है। विपक्षी नेता खासकर धनशोधन निरोधक अधिनियम के तहत की जा रही कार्रवाइयों पर रोक लगाने की गुहार लगाते रहे हैं। उनका आरोप रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय सरकार के हितों की पूर्ति के लिये दुराग्रह से कार्रवाई करता है। हालांकि, अदालत का मानना रहा है कि भ्रष्टाचार,देशविरोधी गतिविधियों तथा आतंकवादी संगठनों को मदद पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई अतार्किक नहीं है। सवाल इस बात को लेकर भी उठते रहे हैं जितने आरोप पत्र ईडी द्वारा दायर किए जाते हैं, उसकी तुलना में दोषसिद्धि की संख्या में बेहद ज्यादा अंतर क्यों है। जो इस बात की ओर इशारा करता है कि मामले दुराग्रह से प्रेरित होते हैं। अदालत भी मानती है कि ठोस प्रमाण के बिना किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। लेकिन एक हालिया मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कारगुजारियों पर कोर्ट ने उसे कड़ी फटकार लगाते हुए सीमाएं लांघकर संघीय ढांचे के अतिक्रमण करने की बात कही है। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु में शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में बरती गई कथित धांधली में राज्य विपणन निगम के विरुद्ध धनशोधन मामले में ईडी की जांच पर की है।दरअसल, निगम द्वारा शीर्ष अदालत में मामला ले जाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने न केवल जांच रोकी बल्कि ईडी की कारगुजारियों पर सख्त टिप्पणियां भी की हैं। निस्संदेह, ईडी को इस सुप्रीम नसीहत पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कोर्ट को यहां तक कहना पड़ा कि प्रवर्तन निदेशालय संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है। उल्लेखनीय है कि पीएमएलए की धाराओं के दुरुपयोग को लेकर शीर्ष अदालत पहले भी ईडी के खिलाफ सख्त टिप्पणी कर चुकी है। निरः संदेह, अदालत की इस सख्त टिप्पणी से उन तमाम विपक्षी दलों को संबल मिलेगा जो आए दिन ईडी व अन्य जांच एजेंसियों का सत्तापक्ष द्वारा दुरुपयोग करने का आरोप लगाते थे। वहीं दूसरी ओर तमिलनाडु राज्य विपणन निगम की दलील थी कि जिन शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में अनियमितताओं के मामले में ईडी ने हस्तक्षेप किया है, उसमें वर्ष 2014 से कार्रवाई की जा रही है। साथ ही इस मामले में चालीस से अधिक प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। वहीं निगम कई मामलों में शिकायतकर्ता है। ऐसे में इस मामले में ईडी के कूदने पर सवाल उठे हैं। यही वजह है कि कोर्ट ने ईडी की इस जांच पर रोक लगा दी है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु सरकार भी ईडी की कार्रवाई को संवैधानिक अधिकारों व संघीय ढांचे का उल्लंघन बताती रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद ईडी केंद्र की इच्छाओं के अनुरूप आंख बंद कर कार्रवाई करने की बजाय अपनी कार्यशैली में अपेक्षित परिवर्तन करेगी।

पहलगाम हमले के बाद भारत की कूटनी. तिक पहल और आतंकवाद पर पाकिस्तान के झूठ का पर्दाफाश करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों की यात्रा कर रहा है। भारत दुनिया को अपना संदेश स्पष्ट रूप से पहुंचाना चाहता है, जिसके लिए अंग्रेजी एक महत्वपूर्ण माध्यम है।पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से दिया, लेकिन इतना काफी नहीं था। नई दिल्ली की सुरक्षा चिंताओं और आतंकवाद को लेकर उसकी बदली रणनीति से वाकिफ कराने व पाकिस्तान के झूठ का पर्दाफाश करने के लिए भारत का सर्वदलीय प्रति. निधिमंडल इस समय विभिन्न देशों की यात्रा पर निकला हुआ है। इन डेलिगेट्स को भारत का संदेश सटीक और साफ अंदाज में पूरे विश्व तक पहुंचाना है ताकि पाकिस्तान को प्रोपगैंडा का मौका न मिले।कूटनीति की भाषारू कूटनीति में हर शब्द मायने रखते हैं। यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि किस भाषा में बात रखी जा रही है। ऐसे में जब भारतीय प्रतिनिमंडल को दुनिया के हर कोने में जाना है, तब तो और भी अहम हो जाता है कि उनकी आपस की बातों में कोई टकराव या विरोधाभास न हो। मेसेज इस तरह दिया जाए कि सभी उसे एक ही तरह से समझें और इसके लिए अंग्रेजी से बेहतर माध्यम कोई नहीं। भारत इस मामले में खुद पर गुमान कर सकता है कि 2011 की जनगणना के मुताबिक उसकी लगभग 10: आबादी अंग्रेजी बोलती है। अगर उन्हें भी शामिल कर लिया जाए, जो अंग्रेजी बोल नहीं सकते, लेकिन पढ़ और समझ सकते हैं तो यह आंकड़ा दोगुना हो जाता है। अंग्रेजी पर पकड़ रखने वाली इतनी बड़ी आबादी किसी और देश के पास नहीं। यह भाषा की ताकत है और इसी के बूते हिंद. ुस्तान के प्रफेशनल्स अमेरिका से लेकर यूरोप तक अपना दबदबा बनाए हुए हैं।सिखाई जाए अंग्रेजीरू भाषा संवाद का जरिया भर नहीं, पहचान भी है। लेकिन यह भी सच है कि किसी देश की पहचान केवल उसकी भाषा तक सिमटी नहीं होती। भारत को अपनी अधिक से अधिक आबादी को अंग्रेजी सिखाने पर जोर देना चाहिए और इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं होगा कि इससे भारतीयता कम हो जाएगी।